Literacy for a Billion

Movie: Phool
Year: 1993

Song: Saal Ke Baarah Mahine
Lyricist: Anand Bakshi

पहले एक बात बताओ
पूछो
साल में कितने महीने
बारह
बारह महीनों का क्या हुआ
एक साल
राईट

साल के बारह महीने
बारह महीनों का साल
साल के बारह महीने
बारह महीनों का साल

ये साल कैसा लगा
होय रब्बा
मेरी बदल गई चाल

होय ये साल कैसा लगा
होय रब्बा
मेरी बदल गई चाल

साल के बारह महीने
बारह महीनों का साल

ये साल कैसा लगा
होय रब्बा
मेरी बदल गई चाल

ये साल कैसा लगा

होय रब्बा
मेरी बदल गई चाल

क्या इसका कारन
कोई बताए
मेरी समझ में
तो कुछ ना आए

क्या इसका कारन
कोई बताए
मेरी समझ में
तो कुछ ना आए

इक रँग आए
इक रँग जाए

ओ इक रँग आए
इक रँग जाए

अंग मेरे कभी
नीले लगे
कभी पीले लगे
कभी लाल

ये साल कैसा लगा
होय रब्बा
मेरी बदल गई चाल

ओय ओय

ये साल कैसा लगा
होय रब्बा
मेरी बदल गई चाल

तक धिना धिन
छम छम छम छम
तक धिना धिन
छम छम छम छम

डरती हूँ पायल की
छम छम से
अँखियाँ छुपाए
मारे शर्म के

डरती हूँ पायल की
छम छम से
अँखियाँ छुपाए
मारे शर्म के

चलने लगी हूँ मैं
तन तन के

आ ...
चलने लगी हूँ मैं
तन तन के

चलते हुए
कहीं झुमके निगोड़े
ना चूम लें
मेरे गाल
ये साल कैसा लगा
होय रब्बा
मेरी बदल गई चाल

हाँ ये साल कैसा लगा
होय रब्बा
मेरी बदल गई चाल

क्या हो रहा है
ये साथ तेरे
ये चूड़ियों वाले
हाथ तेरे

हाँ क्या हो रहा है
ये साथ तेरे
ये चूड़ियों वाले
हाथ तेरे

पीछे पड़े हैं
दिन रात तेरे

आ...
हे पीछे पड़े हैं
दिन रात तेरे

क्या होगा जाने
कुछ और दिन जो
तेरा रहा ये हाल

ये साल कैसा लगा
होय रब्बा
मेरी बदल गई चाल

ये साल कैसा लगा
होय रब्बा
मेरी बदल गई चाल

साल के बारह महीने
बारह महीनों का साल

ये साल कैसा लगा
होय रब्बा
मेरी बदल गई चाल

हाँ ये साल कैसा लगा
होय रब्बा
तेरी बदल गई चाल

हाँ हाँ ये साल कैसा लगा
होय रब्बा
मेरी बदल गई चाल
ये साल कैसा लगा
होय रब्बा
तेरी बदल गई चाल

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.